# PURTI SINCHAN SAMRUDDHI KALYANKARI SANSTHA (NGO)

**Office : Plot No. 4, Pratap Nagar Wardha – 442001 (M.S.) India**
**Mail : mkotasthanem@gmail.com Web : www.waterislife.org.in**
**Mob : 09765426117, 09422142781, 09922926771**


**दिनांक : 13 / 10 / 2018**
**नागपूर**

**प्रति,**

**माननीय महोदय / महोदया**

**नमस्कार**

आज दि. 13 अक्तुबर 2018 को आदरणीय विकास पुरुष श्री. नितीन गडकरीजी के प्रेरणासे स्थापित तामसवाडा जलसंधारण प्रकल्प 2010–2018 के वास्तविक यशोगाथा माहिती पुस्तिका का प्रकाशन हो रहा है। इस समारोह के प्रमुख अतिथी प्रसिध्द समाजसेवी व्यक्ती मा. श्री. प्रभाकरराव मुंडले जी उपस्थित है। इस समारंभ के लिए आपके पधारनेपर हार्दिक स्वागत एवंम् शुभेच्छा।

आदरणीय महोदय / महोदया,

तामसवाडा पॅटर्न (TP) नाला ट्रीटमेंट प्रकल्प की संक्षिप्त रुपमे वास्तव जानकारी आपके समक्ष सादर है।

हमारी संस्था **''पुर्ती सिंचन समृध्दी कल्याणकारी संस्था वर्धा (NGO)''**जिसके संस्थापक एवम **प्रेरणास्थान आदरणीय विकास पुरुष श्री. नितोनजी गडकरी है और संस्थाके संस्थापक उपाध्यक्ष मा.श्री. प्रभाकरराव मुंडले जी है।** इस संस्था द्वारा सन 2010 से **'जलसंकट' के प्रत्युत्तर** के लिए एक मॉडेल काम किया जाए ऐसा सुझाव मा. ना. श्री. नितोनजी गडकरीजी के द्वारा हमे मिला।उनकी प्रेरणा, मदद, सहयोग एवम मार्गदर्शन से यह प्रकल्प 2012 को पुर्ण हुआ। यह कार्य **प्रमुख रुपसे भुवैज्ञानिक** (Geologist) के सुचना एवम **मार्गदर्शन** नुसार किया गया है। **''जल ही जीवन है''** तत्वनुसार टीम वॉटर इज लाईफ ने यह कार्य किया है।

**12 कि. मि. लंब** मृत और बुझे हुए (**Silt up**) **तामसवाडा नाला** के लिए **Ridge to Valley** (उगम से संगम) तत्व पर आधारीत **''वर्षा जल का संवर्धन, संधारण, संचय और भुजल पुनर्भरण** ''प्रकल्प का कार्य **वर्ष 2010** मे शुरु हुआ और विविध प्रकार के तत्वो का अभिसरण (Convergence) द्वारा यह कार्य 2012 मे पुर्ण हुआ। **आदर्श अभिसरण (Convergence)** का **और फलश्रुती** का यह **उत्तम उदाहरण** है।

यह कार्य 12 कि.मि. लंबाई के लिए किया गया जिसका लाभ क्षेत्र मे **6 गावशिवार** (Villege Ground) लाभान्वित होते है। ईन **6 गावोंमे से सबस कठीनतम स्थानपर** (Critical Location) **Ridge एरिया स्थित आदिवासी बहुल तामसवाडा गाव** से शुरुवात की गई। यह प्रकल्प अपेक्षा कृत **सफल** रहा है।

बहुत **सुखद व आनंदित** करनेवाला तथ्य यह है की, **''किसान की आमदनी दुगनी करने मे जल (भुजल) संवर्धन का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान अथवा भुमिका है ''यही फलश्रुती** एवम परिणाम हमारे **प्रकल्पके कठिनतम** आदिवासी गाव **'तामसवाडा'** मे **पाए गए।** इसके लिए किया गया सर्वेक्षण **(Impact Analysis)** नुसार तामसवाडा गाव क्षेत्र मे **हर घर की प्रतिमाह आय** अंदाजन **रु. 5000** से **रु.17000** की और जा रही है।

इस बढती **दुगनी से जादा आय** का **कारण भारी मात्रा** मे हुआ **भुजल पुनर्भरण** जिस के कारण **बढता फसल क्षेत्र, बढता उत्पादन, बढता जलस्तर, बढता पशुपालन, बढता दुग्ध, मॉस, सब्जी उत्पादन, बढता हरित क्षेत्र है। बाढ से मुक्ती** संभव हुई है जिसके कारण किसानोका **बाढ से होने वाला नुकसान बंद** हुआ और वह **क्षेत्र फसल के लिए उपयोग म** आ रहा है।

- **जलसंवर्धन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबुतीकरण, आर्थिक उन्नती** के साथ साथ **हरित क्षेत्र मे भारी मात्रा मे** वृक्षारोपन द्वारा **वृध्दी** तथा सालाना अंदाजन **1200 टन गोबर खाद उत्पादन स केमिकल खादों क वापर** मे **भारी कम**ो जिसकारण **सेंद्रिय, निसर्ग** खेती को भारी मात्रा म **बढावा** मिला है। जो **जल कि गुणवत्ता, मिटटी की गुणवत्ता , पर्यावरण का संवर्धन बड पैमानेपर** बढाने के लिए कार्य की **उपलब्धी** रही है। गॉव के **वॉटर सप्लाय क**ंए को**12 महिने** भरपुर **पाणी भुजल सें उपलब्ध** होणे के कारण **टं**करमुक्ती हा सकी है।
- **कच्चे मकानो से पक्के मकान, पशुपालन से घर के आंगन के गोठे मे पशुपालन, पुराने काल म** प्रचलित **देशी दारु उत्पादन** का प्रमुख व्यवसाय **लगभग बंद, रोजगारी मे वृध्दी,** शहरो के तरफ **स्थलांतरण मे कमी, खेती** के **बाजार मुल्य 10 गुना** से ज्यादा, **खेती बेचने की वृत्ती** से **परावृत्त, बढते हरीत** क्षेत्र से **''जलवायु परिवर्तन संकट''** को समर्थता से **उत्तर** यह **सामाजिक** एवम **पर्यावरण पुरक** परिणाम ईस कार्य से प्रगट हुए है।

**जलयुक्त तथा बाढमुक्त, एवम आर्थिक रुपसे सक्षमता तथा टॅंकरमुक्ती यह सहज संभव है ये सिध्द होता है।**

- इस भुजल पुनर्भरण प्रक्रिया के कारण **जल, जमिन, जंगल,** तथा **जीव संवर्धन** सहज रुपसे संभव है। बढते हरीत क्षेत्र के एवम पर्यावरण भुजल उपलब्धी से **दुग्ध, फलप्रकिया, मधुमख्खी पालन, मांस उत्पादन, बांबु खेती, ऑर्गनिक फार्मिंग, कपास से कपडा तक ग्रामोद्योग,** गोबर खाद, गांडुळ खाद, कम्पोस्ट खाद, आदी विषयों को बढावा मिलना संभव है। जिसके कारण **ग्रामिण क्षेत्र** मे **आर्थिक उन्नती** एवम **रोजगार मे भारी वृध्दी** होना निश्चित है।
- **प्रमुख विशेषताए** : शुन्य **भुसंपादन**। शुन्य **विस्थापन**। शुन्य **कॉम्पेन्सेशन**। शुन्य **स्थलांतरण।** शुन्य **पुनर्वसन** कार्य। शुन्य **बाढ**। शुन्य **अकाल** तथा सुक्ष्म वॉटरशेड विकास द्वारा नैसर्गिक एवम् पारंपारिक जलस्त्रोतो का पुनुरूज्जीवन एवम् विकास तथा बढता हरित क्षेत्र।
- **गौरन्वित** बात यह है के इस **तामसवाडा प्रकल्प** (TP) को मा. केंद्रिय मंत्री **श्री. नितोनजी गडकरी,** माननीय **केंद्रीय मंत्रो श्री. अर्जुनजी मेघवाल,** नीती आयोग के सदस्य **मा. डॉ. व्ही. के. सारस्वत तथा अनेक** विधायक, सांसद, किसान, प्रशासनिक अधिकारी, तज्ञ, NGO इन्होने **प्रत्यक्ष रूप से भेट देकर अवलोकन किया**

**और सराहा है।** अनेक प्रिंट मिडीया तथा इले. मिडिया ने इस कार्यो को बडे पैमानेपर प्रसिद्धी दी है।

- इस प्रकारके शास्त्रीय तथा आदर्श अभिसरणद्वारा किए गए जलसंवर्धन एवंम् वृक्षसंवर्धन कार्योंसे नैसर्गिक तथा पारंपारिक जलस्त्रोतोंका तथा मौल्यवान निसर्ग एवंम् पर्यावरणका संरक्षण, संवर्धन व विकास होना सहज संभव है। आनेवाली जलवायू परिवर्तनके भीषण संकटको यही एकमात्र उत्तर है।

**आपका नम्र**

**(प्रफुल्ल वि. जामदार)**
**अध्यक्ष**
**पुर्ति सिंचन समृद्धी संस्था वर्धा (NGO)**

**आपका नम्र**

Kothasthane

**(माधव गोविंद कोटस्थाने)**
**सिव्हील इंजिनिअर**
**सचिव : पुर्ति सिंचन समृद्धी संस्था वर्धा (NGO)**

**महत्वपूर्ण जानकारी :**

1. **पुरस्कार** : वर्ष 2015 मे स्व. वसंतराव नाईक प्रतिष्ठान मुंबई, हस्ते माननीय मुख्यमंत्री महाराष्ट्र राज्य.
2. **पुरस्कार** : वर्ष 2016 अग्निहोत्री ग्रुप ऑफ इंन्स्टिटयूशन्स द्वारा प्राप्त.
3. **पुरस्कार** : वर्ष 2017 O+Ve फाऊंडेशन द्वारा प्राप्त.
4. **मान्यता** : 'भूजल मंथन' द्वारा केंद्रिय भूजल बोर्ड–नागपूर वर्ष 2018 रिपोर्ट पुस्तिका.
5. **फिल्म** : You-Tube पर पूर्ती सिंचन तामसवाडा क्लिक किजिए (मराठी–हिंदी–अंग्रेजी)
6. **अनुकरण** : तामसवाडा (TP) नाला ट्रीटमेंट का अनुकरण JNPT मुंबई के C.S.R. के माध्यमसे साकार 1. मौजा– महाकाळ, साटोडा 2. मौजा– धानोरा, भानखेडा प्रकल्प ता. जि. वर्धा (महाराष्ट्र)
7. **पुरस्कार** : वर्ष 2018 कै. वसंतराव नाईक पुरस्कार– श्री. मिलिंद भगत, सद्भावना ग्रामीण विकास संस्था, वर्धा JNPT CSR प्रकल्प साटोडा–महाकाळ जि. वर्धा
8. **फिल्म** : Water – JNPT - CSR क्लिक किजिए।

- **सहपत्र : "यशोगाथा पुस्तीका" व यशोगाथा डॉक्युमेंट्री फिल्म सहित सी. डी. (DVD) तथा संक्षिप्त माहिती लघु पुस्तीका.**